दयानन्द एंग्लो-वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज)

आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

(सम्बद्ध : महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़)

विवरणिका

दयानन्द एंग्लो-वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज)

आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

(सम्बद्ध : महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़)

विवरणिका

सत्र : 2025–2026

आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव
मंत्री, प्रबन्ध-समिति

प्रो. प्रेमचन्द्र यादव
प्राचार्य

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव।
यद्भद्रं तन्नः आसुवः।।

हे सकल जगत् के उत्पत्तिकर्ता समय ऐश्वर्ययुक्त शुद्ध स्वरूप
सब सुखों के दाता परमेश्वर! आप कृपा करके
हमारे सम्पूर्ण दुर्गुण, दुर्व्यसन और दुःखों को दूर कर दीजिए।
जो कल्याण कारक गुण, कर्म स्वभाव और
पदार्थ हैं वह सब हम को प्राप्त कीजिये।

O Lord! The Creator of the Universe, remove
all forms of vice and sorrow from us.
Give us those qualities that are ennobling.

ओऽम्विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव।
यद् भद्रं तन्नः आसुवः।।1।।
हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवी द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम्।।2।।
य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्य छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम्।।3।।

हे जगत के स्वामी! हमारे दुर्गुणों को दूर कीजिए और हमें कल्याण मार्ग पर अग्रसर कीजिए।।1।।

परमात्मा स्वयं प्रकाश स्वरूप और सूर्यादि विकासकारी ग्रहों का उत्पत्तिकर्ता है और जगत का चेतनास्वरूप स्वामी है। वही इस पृथ्वी और सूर्यादि ग्रहों का आधार है। उसी की हमें उपासना करनी चाहिए।।2।।

जो परमात्मा आत्माज्ञान और बल प्रदान करता है जिसकी विश्व उपासना करता है और जिसका विश्व पर शासन है, जिसकी छाया अमृत एवं जिसका अभाव मृत्यु है, उसी परमात्मा की भक्ति करनी चाहिए।।3।।

।। ओऽम् शान्ति ।।

सन्देश

दयानन्द एंग्लो-वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय (डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज) आजमगढ़ में आप सभी का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। स्वामी दयानन्द सरस्वती के मानवतावादी संदेशों को आदर्श मानकर आजमगढ़ जनपद में 1925 ई. में दि आर्य विद्या सभा आजमगढ़ की स्थापना हुई जिसका पंजीकरण वर्ष 1928–29 में क्रमांक 33 पर हुआ। दि आर्य विद्या सभा की स्थापना के साथ ही 1925 ई. में दयानन्द स्कूल अपने वर्तमान भवन में प्रारम्भ हुआ। इस महाविद्यालय की स्थापना दि आर्य विद्या सभा आजमगढ़ द्वारा 1957 ई. में हुई। कालान्तर में यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा का एक अग्रणी संस्थान बनकर अपनी ज्ञान ज्योति से पूरे पूर्वांचल को आलोकित करने लगा। अपनी स्थापना से ही डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जनपद में अग्रणी स्थान प्राप्त है। यह कालेज विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को एक समुचित शैक्षिक वातावरण एवं व्यवस्था का आश्वासन देता है। महाविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य परस्पर स्नेह सौहार्द के वातावरण में श्वांस लेते हैं। स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों, समरसता एवं एकरूपता को स्थापित करने की अपनी सनातन परम्परा के प्रति महाविद्यालय वचनबद्ध है। हमारा यह अथक एवं भगीरथ प्रयास है कि हम इस संस्था के माध्यम से अपने स्थापित एवं सुव्यवस्थित मूल्यों के अनुकूल आपको अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा सकें एवं एक जिम्मेदार नागरिक के मूल्यों को आप में अवतरित कर सकें। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी इस सद्भाव और वचनबद्धता के साथ हमसे जुड़ेंगे और अपने मनोबल एवं नैतिक स्तर को ऊंचा रखेंगे, जिससे कोई भी नकारात्मक शक्ति आपके प्रगति के मार्ग में बाधा न बन सके।

धन्यवाद!

सर्वसमाज के प्रति सद्इच्छाओं एवं शुभकामनाओं सहित।

आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव

मंत्री, प्रबंध समिति

दयानंद एंग्लो वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय

आजमगढ़

प्राचार्य

दयानन्द एंग्लो–वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शैक्षणिक परिवेश का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए मैं अत्यन्त हर्षित हूँ। अपने अस्तित्व के 68 वर्षों के दौरान महाविद्यालय ने प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। महाविद्यालय का आदर्श वाक्य `सम्पूर्ण विश्व को श्रेष्ठ बने` ही इसके आध्यात्मिक व मानवीय मूल्यों की महत्ता को प्रमाणित करता है। हमारा महाविद्यालय नैतिकता एवं आधुनिकता का एक सुन्दर समन्वय है, जो सैकड़ों छात्र–छात्राओं को इससे जुड़ने की प्रेरणा देता है। महाविद्यालय, छात्रों के वैज्ञानिक यथार्थपरता एवं प्रश्नोत्तर की भावना से समझौते किए बिना उनमें आवश्यक मूल्यों को स्थापित करने के लिए कटिबद्ध है। दुनिया भर में उच्च पदों पर प्रतिष्ठित हमारे पुरातन छात्र हमारे महाविद्यालय की गरिमा व उसके निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर होने को प्रमाणित करते हैं।

महाविद्यालय अपनी तरह के समस्त पुराने संस्थानों में सर्वोच्च है। यह शिक्षा की गुणवत्ता व उत्कृष्ट नैतिक आदर्श को स्थापित करने की योग्यता के लिए पूर्वांचल में प्रतीष्ठित है। संस्थान का नेतृत्व योग्य, प्रतिभावान, कर्मठ एवं उत्कृष्ट कोटि की योग्यता रखने वाले सम्मानित व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा है, जिनके अथक प्रयास ने हमें उच्च कोटि के ऐसे बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है, जिससे शिक्षार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा तथा उनके चतुर्मुखी विकास का लक्ष्य संधानित करना सहज, सरल एवं स्वाभाविक हो जाता है।

मैं आपके भविष्य के प्रयासों में पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ।

धन्यवाद !

प्रो0 प्रेम चन्द्र यादव
प्राचार्य
डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कालेज
आजमगढ़

प्रिय विद्यार्थियों,

आपका हमारे महाविद्यालय में हार्दिक स्वागत है। यह संस्थान न केवल अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, बल्कि अनुशासन, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना को भी समान महत्व देता है। एक सशक्त, आत्मनिर्भर और चरित्रवान नागरिक बनने की दिशा में अनुशासन पहली सीढ़ी है। अनुशासन ही किसी भी संस्था की रीढ़ होता है।

हमारा उद्देश्य न केवल आपको उच्च शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि आपके भीतर आत्मानुशासन, संयम, नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करना है। एक छात्र के रूप में आपकी सफलता तभी सार्थक है जब उसमें अनुशासन, ईमानदारी और सहनशीलता जैसे मूल्य शामिल हों। मुख्य अनुशासन अधिकारी के रूप में मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूँ कि आप महाविद्यालय के नियमों और आचार संहिता का पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ पालन करें। संस्थान का अनुशासन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आपके उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

मुख्य अनुशासनाधिकारी के रूप में मेरा कर्तव्य है कि महाविद्यालय परिसर में अनुशासन और गरिमा बनी रहे। हमारी अनुशासन की प्रतिबद्धता के केंद्र में ''सम्मान'' का सिद्धांत है– स्वयं का सम्मान, दूसरों का सम्मान, और संस्था का सम्मान। पारस्परिक सम्मान के माध्यम से ही हम सार्थक संबंध बना सकते हैं, समय की पाबंदी हो, कक्षा में अनुशासन हो, या सहपाठियों, शिक्षकों, प्राचार्य के प्रति सम्मान–हर कार्य जो सम्मान में निहित है, वह हमारे कॉलेज की संस्कृति को समृद्ध करता है।

अतः यह आवश्यक है कि छात्रगण नियमित रूप से अपने प्रॉक्टर से मिलें और अपने अकादमिक, अनुशासन या किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत के बारे में चर्चा करें ताकि उनका समय पर समाधान हो सके। छात्रों से यह भी अपेक्षा है कि वे ऐसा कोई अनुचित कार्य न करें जिससे मुझे या बोर्ड को उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए विवश होना पड़े और कॉलेज का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो।

धन्यवाद !

मुख्य अनुशासन अधिकारी
डॉ धर्मेंद्र प्रताप यादव
डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कालेज
आजमगढ़

स्थापना

इस महाविद्यालय की स्थापना **दि** आर्य विद्या सभा आजमगढ़ द्वारा सन् **1957** ई. में हुई। **दि** आर्य विद्या सभा-आजमगढ़ ही इसकी संचालक संस्था है। स्वामी दयानन्द सरस्वती के नाम पर स्थापित इस उच्च शिक्षा केन्द्र को प्रारम्भ में, केवल कला और वाणिज्य संकाय में मान्यता प्राप्त हुई। इन विषयों में ख्याति प्राप्त करने के पश्चात सन् **1965 ई0 व 1972 में** विज्ञान संकाय की सम्बद्धता हुई। विज्ञान संकाय के दोनों वर्गों में स्थायी मान्यता के पश्चात सन् 1971 ई. में हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर शिक्षा के लिये मान्यता प्राप्त हुई। तदुपरान्त क्रमशः राजनीति विज्ञान, भूगोल, इतिहास, समाजशास्त्र, गणित, अंग्रेजी एवं संस्कृत स्तर पर एवं गृहविज्ञान स्नातक स्तर पर सम्बद्धता प्रदान की गई। इसके पश्चात 2022 में विज्ञान संकाय के अन्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान तथा रसायन विज्ञान, वाणिज्य संकाय में **स्थायी सम्बद्धता** प्राप्त हुई है। 2023 में स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, विज्ञान संकाय के अन्तर्गत भौतिक विज्ञान तथा बी0बी0ए0 (बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) की अस्थायी सम्बद्धता प्रदान की गयी है।

विजन और मिशन (दृष्टि और लक्ष्य या उद्देश्य)

अपने ध्येय के अनुरूप यह महाविद्यालय आर्य समाज के श्रेष्ठ सिद्धान्तों के प्रचार-प्रसार एवं उनके अनुरूप रूढ़िमुक्त वैदिक समाज रचना के उद्देश्यों से परिचालित है। इसके लिये समय-समय पर आर्य समाज के धर्मोपदेशों के व्याख्यान एवं अन्य अनुष्ठानों का आयोजन होता रहता है। वैदिक प्रार्थना, हवन तथा आर्य समाज के सिद्धान्तों में आस्था हेतु नैतिक शिक्षा की व्यवस्था का विधान भी यहाँ है। हमारी संस्था के शिक्षकों एवं अन्य कर्मियों की नियुक्ति में भी आर्य समाज के सिद्धान्तों में आस्था रखने वालों को वरीयता दी जाती रही है। छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना, सामाजिक दायित्व बोध, श्रेष्ठ कार्यों एवं कर्त्तव्यों के प्रति समर्पण की भावना पैदा करना ही यहाँ की शिक्षा व हमारे शिक्षकों का मूल उद्देश्य है। शिक्षा में उत्कृष्टता को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रयास करना और युवा मस्तिष्क को ज्ञान-कौशल और संवेदनशील मूल्यों को आत्मसात करने के लिए तैयार करना हमारी संस्था का लक्ष्य है।

न्यूनतम दर व गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना, छात्रों को उनकी चुनी हुई स्ट्रीम में ज्ञान और

कौशल से युक्त करना, उच्च मूल्यों को विकसित करना, छिपी हुई प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें उचित स्थान देना, छात्रों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने का अवसर प्रदान करना और इस तरह उन्हें भविष्य में समाज में श्रेष्ठ स्थान पर प्रतीष्ठित कर भारत-भारती की सेवा के लिए एक श्रेष्ठ नागरिक के रूप में विकसित करना हमारा अन्तिम और एकमेव लक्ष्य है।

स्थिति, भूमि एवं भवन

यह विद्यालय आजमगढ़ नगर में विकासोन्मुख वातावरण युक्त परिवेश में स्थित है। महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यापन तथा शोध की व्यवस्था है। प्रयोगशालाएं, आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित हैं। छात्राओं के लिये सभी स्तरों पर विशेष सुविधा तथा विश्राम कक्ष की व्यवस्था है। जनपद के विभिन्न स्थानों पर कालेज की लगभग 250 एकड़ जमीन है।

अध्यापन व्यवस्था

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग में प्रतिभावान, योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापक नियुक्त हैं। छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये प्रत्येक विषय में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। गत वर्षों में संख्या एवं गुणवत्ता, दोनों दृष्टि से इस विद्यालय का परीक्षाफल उत्कृष्ट एवं उत्साहवर्धक रहा है।

शिक्षण एवं अन्य शुल्क

स्नातक कक्षा एवं स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश लेने के लिये प्रत्येक छात्र को प्रवेश के समय समस्त शुल्क जमा करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क प्रत्येक छात्र विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म भरते समय जमा करेंगे। समस्त शुल्क सम्बद्ध विश्वविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश शासन के संगत नियमों के अनुरूप क्रियान्वित एवं परिवर्तनशील है।

शुल्क विवरण

शुल्क तालिका महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के द्वारा प्रस्तावित स्नातक एवं

स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिये शिक्षण शुल्क तथा अन्य शुल्कों में शासन और विश्वविद्यालय द्वारा यदि कोई वृद्धि होगी तो वह शुल्क देय होगा। सुरक्षित धनराशि महाविद्यालय छोड़ने पर ही वापस ली जा सकती है। छात्र द्वारा देय मुक्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर विद्यालय छोड़ने की तिथि के दो वर्ष के अन्दर सुरक्षित धनराशि ली जा सकती है अन्यथा यह धनराशि कालातीत हो जायेगी। सुरक्षित धनराशि छात्र **को एकाउण्टपेयी चेक के माध्यम से दी जाएगी।**

प्रयोगशाला

महाविद्यालय में संचालित प्रायोगिक विषयों विभागों यथा सैन्य विज्ञान, भूगोल, मनोविज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान तथा कम्प्यूटर हेतु प्रयोग सामग्रियों एवं आधुनिक उपकरणों से पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं। प्रायोगिक विषयों का चयन करने वाले छात्रों द्वारा प्रयोगात्मक कार्य करते समय उपलब्ध उपकरणों/प्रयोग सामग्रियों का उपयोग विभागीय अनुमति से किया जा सकेगा। प्रयोग के दौरान उपकरणों/प्रयोग सामग्रियों की टूट-फूट एवं क्षति की पूरी जिम्मेदारी सम्बन्धित छात्र की होगी तथा ऐसी स्थिति में विभागाध्यक्ष द्वारा लगाया गया अर्थदण्ड छात्र द्वारा अनिवार्य रूप से देय होगा।

पेयजल एवं प्रसाधन व्यवस्था

महाविद्यालय परिसर में छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग स्वच्छ एवं आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न शुद्ध, स्वच्छ **व ठण्डा** पेयजल (वाटर कूलर/आर.ओ. प्लांट) की व्यवस्था है। पुरूष शौचालय/यूरीनल तथा छात्राओं के कॉमन रूम में संलग्न अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न प्रसाधन की व्यवस्था उपलब्ध है।

कॉमन हाल

महाविद्यालय की छात्राओं का पठन-पाठन एवं बैठने के लिए कॉमन हाल की व्यवस्था की गयी है, जो प्राचार्य कक्ष के ऊपर स्थित है, जहाँ छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया है।

पर्यटन

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के पाठ्यक्रमानुसार एम.ए. प्रथम वर्ष (भूगोल), बी.ए. भाग-3 (भूगोल एवं सैन्य विज्ञान विषय) के छात्रों को अनिवार्य रूप से शैक्षणिक पर्यटन में भाग लेना होगा, जिसका निर्धारण प्राचार्य के अनुमति से विभाग द्वारा किया जायेगा। इस सम्बन्ध में पर्यटन से सम्बन्धित व्यय छात्र को स्वयं वहन करना होगा। पर्यटन पर 25 अंक निर्धारित है, जो प्रयोगात्मक परीक्षा के साथ मूल्यांकित होंगे।

छात्रवृत्ति

महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नियमानुसार छात्रवृत्तियाँ तथा शासन द्वारा प्राप्त होने वाली प्रत्येक प्रकार की छात्र सहायता राशि/योजना प्राप्त कराने की भी व्यवस्था है। यह कार्य प्रत्येक सोमवार तथा मंगलवार को ही किया जायेगा।

अनुशासन मण्डल (प्राक्टोरियल बोर्ड)

विद्यार्थियों में अनुशासन एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करने एवं सुसंगत शैक्षणिक परिवेश के सृजन के लिये अनुशासन मण्डल (प्राक्टोरियल बोर्ड) गठित है। प्रत्येक विद्यार्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि अनुशासन की व्यवस्था में नियुक्त अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग करें तथा कोई भी ऐसा कार्य नहीं करें, जिससे महाविद्यालय की उत्कृष्ट परम्परा एवं गरिमा को क्षति पहुँचे। विद्यार्थी निम्नलिखित आवश्यक निर्देश का पालन करें-

1. महाविद्यालय के आन्तरिक व वाह्य दीवारों पर एवं अध्ययन कक्षों में किसी प्रकार का पम्पलेट/पोस्टर इत्यादि चिपकाना एवं नाम लिखना सख्त मना है। ऐसा पाये जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।
2. महाविद्यालय के दीवारों/सीढ़ियों एवं कमरों में थूकना सख्त मना है, ऐसा पाये जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।
3. आप महाविद्यालय परिसर में हमेशा सी.सी.टी.वी. कैमरे की नजर में हैं।
4. प्रत्येक छात्र/छात्रायेंअपनी साइकिल/वाहन निर्धारित स्थान पर खड़ा करें।
5. प्रत्येक छात्र/छात्राएं अपने बैच/पहचान पत्र अपने साथ हमेशा रखें एवं महाविद्यालय परिसर में पहन

कर ही प्रवेश करें।

6. महाविद्यालय में शालीन वस्त्र धारण करके ही प्रवेश करें।
7. परीक्षा अवधि में सभी परीक्षार्थी प्रवेश पत्र में दिये गये निर्देशों का अनुपालन करें।
8. परीक्षा अवधि में मोबाइल एवं किसी प्रकार का इलेक्ट्रानिक सामग्री लाना सख्त मना है।
9. प्रवेश-पत्र में दिये गये निर्देशों के अतिरिक्त सामग्री का बैग/सामानों का प्रवेश वर्जित है।
10. छात्राएं, कक्षायें न होने पर कॉमन रूम में बैठेंगी, कैम्पस में इधर-उधर घूमना सख्त मना है।

मिशन शक्ति

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जारी किये गये निर्देशों के अन्तर्गत एक अम्ब्रेला स्कीम की तरह मिशन शक्ति 1 अप्रैल 2022 से प्रभावी है। इसके तहत महाविद्यालय में महिलाओं/छात्राओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

छात्र समस्या निवारण समिति

विद्यार्थियों की उचित समस्याओं के निवारण हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों की समिति बनी हुई है, जहाँ छात्र अपनी समस्याओं से सम्बन्धित प्रार्थना पत्र देकर समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

एण्टी रैगिंग (Anti-Raging)

यू0जी0सी0 रेग्युलेशन 2009 एवं विविध न्यायिक आदेशों के अन्तर्गत उच्च शिक्षण संस्थाओं में रैगिंग गतिविधियों पर रोक लगायी गयी है। महाविद्यालय में एण्टी रैगिंग प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, जो महाविद्यालय में किसी भी तरह की रैगिंग गतिविधियों पर नजर रखती है और अनुशासन मण्डल के साथ समन्वय स्थापित कर एण्टी रैगिंग नियमावली का पालन कराती है।

नैक (NAAC-IQAC)

महाविद्यालय में इण्टरनल क्वालिटी एश्योरेंस सैल (IQAC) और परीक्षा सेल स्थापित है। यह सेल

कालेज में यू.जी.सी. द्वारा तय नियमों का पालन कर इस पर निगरानी रखता है। पीयर टीम का गठन भी किया गया है जो महाविद्यालय के परफार्मेंस की निगरानी करता है। इसके साथ ही कालेज अपनी पाठ्यक्रम, फीस, छात्रों की संख्या, समय सारिणी और अन्य जानकारी अपनी वेबसाइट पर ही उपलब्ध कराता है। कालेज में परीक्षा सेल स्थापित भी है, जो स्वतंत्र रूप से केन्द्राध्यक्ष की अध्यक्षता में कालेज की परीक्षाएं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना है।

पुस्तकालय

महाविद्यालय पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय से युक्त है, जो छात्र/छात्राओं की पुस्तकीय आवश्यकताओं को पूरा करती है, जिसमें न केवल स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र/छात्राएं, बल्कि कालेज के शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारी भी शामिल हैं। पुस्तकालय अपने पाठकों को सहज पहुँच प्रदान करने हेतु पुस्तकें एक समय अवधि तक पुस्तक आदान-प्रदान पटल से परिदाय सेवा भी उपलब्ध कराती है। महाविद्यालय का पुस्तकालय छात्रों एवं शिक्षकों को संसाधन की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने हेतु मानविकी, सामाजिक विज्ञान, साहित्य, अर्थशास्त्र, गणित, वाणिज्य एवं गृहविज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम प्रकाशनों के साथ 88,000 से अधिक पुस्तकों का एक समृद्ध और वृद्धिमान संग्रह के साथ ज्ञान का केन्द्र है। इसमें पाठकों के लिए बड़े कक्ष हैं। पुस्तकालय को पूर्ण विकसित करने का कार्य भी प्रगति पर है। प्रत्येक विभाग के स्नातकोत्तर छात्र/छात्राओं के लिए अलग पुस्तकालय की भी व्यवस्था है, जिसमें सम्बन्धित विषय की पुस्तकें तथा शोध पत्रिका संग्रहित हैं, जहाँ से स्नातकोत्तर स्तर के एवं शोध छात्र पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।

केन्द्रीय पुस्तकालय एवं विभागीय पुस्तकालय द्वारा डिजिटल सेवाएं

- कोहा सॉफ्टवेयर
- ओपेक कैटलॉग
- डी0डी0सी0 वर्गीकरण
- ई–संशाधन (N-LIST)

पत्रिका

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''अस्मिता'' का प्रकाशन होता है। यह छात्र-छात्राओं की हिन्दी और अंग्रेजी में अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए एक शक्तिशाली माध्यम प्रदान करती है।

शिक्षण सहायक वृत्ति

पीएच.डी. के छात्र-छात्राओं के लिए मैनेजमेंट द्वारा शिक्षण सहायक वृत्ति भी उपलब्ध है। इन शोधार्थियों को प्रायः स्नातक स्तर पर कुछ घण्टे प्रति सप्ताह पढ़ाना या प्रायोगिक कार्य कराना होता है। महाविद्यालय के उच्च योग्यता वाले संकाय सदस्य हैं। सभी शिक्षकों के पास शीर्ष संस्थानों से पीएच.डी. शिक्षण के अलावा सक्रिय रूप से अनुसंधान, ज्ञान का प्रसार नये पाठ्यक्रम के विकास, अनुसंधान परियोजनाओं, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों का संचालन करते हैं और राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लेते हैं। अध्यापकों की पुस्तकें, प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के शोध लेखों में भी प्रकाशित होती हैं।

खेल-कूद (क्रीड़ा विभाग)

अन्तः परिसर कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी छात्र-छात्राओं को शारीरिक गतिविधियों और खेल में भाग लेने के लिए लगभग 15 से 20 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा के लिये विभिन्न सुविधायें विकसित की गयी हैं। वर्तमान में परिसर में शारीरिक शिक्षा की गतिविधियों को चलाने के लिये पर्याप्त एवं उचित संसाधन उपलब्ध हैं। खेल-कूद प्रतियोगितायें साल भर चलती हैं और स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को समारोहपूर्वक पुरस्कृत किया जाता है। परिसर में फिजिकल फिटनेस गतिविधियाँ प्रतिदिन प्रातःकाल (6.00 से 8.00 बजे तक) तथा सायंकाल (3.00 से 5.00 बजे तक) आयोजित की जाती हैं। आउटडोर गेम्स तथा प्रमुख खेलों जैसे बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी, हैण्डबॉल, थ्रो बॉल, क्रिकेट, शतरंज आदि के लिये प्रशिक्षण दिये जाते हैं। इनडोर गेम्स जैसे टेबिल-टेनिस तथा बैडमिन्टन की सुविधा उपलब्ध है। महाविद्यालय के प्रत्येक इच्छुक छात्र-छात्राओं को योगासन सिखाया जाता है। महाविद्यालय की टीमें विभिन्न अन्तर विश्वविद्यालयी, राज्यस्तरीय व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेती हैं एवं अद्यतन कई पुरस्कार एवं ट्राफियाँ प्राप्त कर चुकी हैं।

रोवर्स/रेंजर्स

सहशिक्षण गतिविधि के रूप में महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर्स का पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाता है, जो कि सन् 2009-10 के पूर्व से पंजीकृत है। महाविद्यालय में शिविरों का आयोजन होता है एवं योग्य छात्र-छात्राओं का चयन राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कैम्पों के लिये होता है। महाविद्यालय की कई छात्रायें राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित हुई हैं। महाविद्यालय की विभिन्न टीमें प्रत्येक वर्ष विभिन्न अन्तर-विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में भाग लेती हैं। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मार्च पास्ट परेड

तथा अन्य गतिविधियों में प्रवीण किया जाता है। समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुपालन में महाविद्यालय में सामाजिक जागरूकता से सम्बन्धित पर्वों एक जन-जागरूकता रैलियों के कार्यक्रम का संचालन होता है। महाविद्यालय में दो रोवर दल, स्वामी दयानन्द रोवर दल, स्वामी विवेकानन्द रोवर दल एवं एक रेंजर दल, माँ सरस्वती रेंजर्स टीम संचालित है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (N.C.C.)

युवाओं में चरित्र-निर्माण, कामरेडशिप, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में भारत की 'दूसरे रक्षापंक्ति' के रूप में विख्यात नेशनल कैडेट कोर (NCC) की एक कम्पनी संचालित है जो 99 यूपी बटालियन से सम्बद्ध और अनुशासित है। राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में देश के युवाओं को संवारने में लगे हुए सेना, नौसेना और वायु सेना का एक त्रिकोणीय सेवा संगठन है। भारत में राष्ट्रीय कैडेट कोर उच्च विद्यालयों, महाविद्यालयों और पूरे भारत में विश्वविद्यालयों से कैडेट रंगरूटों जो एक स्वैच्छिक संगठन है। कैडेटों छोटे हथियारों और परेड में बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है तथा वार्षिक् प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से राष्ट्र्स्तरीय शिविरों में प्रतिभागियों का चयन किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की एक इकाई महाविद्यालय में संचालित है। राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक केन्द्रिय योजना है। जिसका ध्येय वाक्य (मोटो) मैं नही आप (Not me but you) है, यह ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम का सार बताता है। इसके प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानन्द जी है। NSS के अन्तर्गत की जाने वाली गतिविधियो में शिक्षा, स्वास्थ, परिवार कल्याण, पोषण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा आदि क्षेत्र शामिल किए जाते है। जिससे छात्रों में सामाजिक एवं नागरिक जिम्मेदारी, राष्ट्रीय एकता, नेतृत्व अदि गुणों का विकास होता है। इसके लिए सामान्य शिविर तथा एक सप्ताह का विशेष शिविर आयोजन किया जाता है।

पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में सभी पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति (N.E.P. 2020) के अन्तर्गत लाये गये हैं स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर C.B.C.S. (च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम) प्रणाली लागू है।

इन्दिरा गाँधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) (IGNOU)

महाविद्यालय परिसर में भारत सरकार द्वारा दूरस्थल शिक्षा कार्यक्रम का रेगुलर स्टडी सेन्टर (48034) है, जहाँ बी.ए., एम.ए., बी.कॉम., एम.कॉम जैसे सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लिया जाता है, जिसके लिए इग्नू के वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है।

व्यवसायिक पाठ्यक्रम

व्यवसायिक पाठ्यक्रम, स्नातक कोर्स के छात्र/छात्राओं के लिए व्यवसायिक पाठ्यक्रम योग एवं कम्प्यूटर के कोर्स महाविद्यालय में संचालित होते हैं।

साइकिल स्टैण्ड

महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के लिए साइकिल स्टैण्ड की व्यवस्था है। साइकिल स्टैण्ड के निर्धारित स्थान पर साइकिल खड़ा करना अनिवार्य है।

महाविद्यालय के शिक्षकगण

पी-एच.डी. महाविद्यालय में उच्च योग्यता वाले संकाय सदस्य हैं। सभी शिक्षकों के पास शीर्ष संस्थानों से पीएच.डी. शिक्षण के अलावा सक्रिय रूप से अनुसन्धान, ज्ञान का प्रसार, नये पाठ्यक्रम के विकास, अनुसंधान परियोजनाओं, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के संचालन करते हैं और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लेते हैं। विविध अध्यापकों की पुस्तकें प्रकाशित हैं और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध लेख नियमित रूप से प्रकाशित होते रहते हैं।

विभागवार शिक्षकों की सूची

हिन्दी विभाग

01.	प्रो. श्रीमती गीता सिंह	प्रोफेसर
02.	प्रो. जगदम्बा प्रसाद दुबे	प्रोफेसर
03.	प्रो. विजय कुमार	प्रोफेसर
04.	श्री अवनीश राय	असिस्टेंट प्रोफेसर
05.	श्री जितेन्द्र	असिस्टेंट प्रोफेसर

06.	डॉ. नीतू राय	असिस्टेंट प्रोफेसर
07.	**श्रीमती प्रीति सिंह**	**असिस्टेंट प्रोफेसर**

इतिहास विभाग

01.	प्रो. सौम्य सेनगुप्ता	प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	डॉ. अरूण कुमार सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
03.	डॉ. अमित कुमार सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर

अर्थशास्त्र विभाग

01.	प्रो. अनिल कुमार श्रीवास्तव	प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	**श्री संजय कुमार मौर्य**	**अतिथि प्रवक्ता**

समाजशास्त्र विभाग

01.	प्रो. राकेश यादव	प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	डॉ. अजय कुमार सोनकर	असिस्टेंट प्रोफेसर
03.	डॉ. राजेश कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर
04.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर
05.	श्री कृष्णानन्द पाण्डेय	असिस्टेंट प्रोफेसर
06.	डॉ. संजय कुमार गोंड	असिस्टेंट प्रोफेसर
07.	डॉ. श्रीमती संध्या	असिस्टेंट प्रोफेसर

राजनीतिशास्त्र विभाग

01.	प्रो. शिल्पा त्रिपाठी	प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	प्रो. सुजीत कुमार श्रीवास्तव	प्रोफेसर
03.	डॉ. पंकज सिंह	सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर
04.	डॉ. संतोष कुमार सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर
05.	श्री गौरव कुमार सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर

संस्कृत विभाग

01.	डॉ. गणेश शंकर पाण्डेय	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित) **(प्रभारी)**

भौतिक विज्ञान

01.	श्री मो. सिरताज	असिस्टेंट प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	**श्री संजय कुमार श्रीवास्तव**	**अतिथि प्रवक्ता**

वाणिज्य विभाग (बी0बी0ए0)

01.	डॉ. दिनेश कुमार तिवारी	एसोसिएट प्रोफेसर **(प्रभारी)**

02.	डॉ. चन्दन कुमार गौतम	असिस्टेंट प्रोफेसर
03.	**श्री रमेश कुमार मिश्रा**	**अतिथि प्रवक्ता**
04.	**श्री राजीव रंजन श्रीवास्तव**	**अतिथि प्रवक्ता**
05.	**श्री दीपक श्रीवास्तव**	**अतिथि प्रवक्ता**
06.	**श्री सौनक साहू**	**अतिथि प्रवक्ता**
07.	**श्रीमती पूजा अग्रवाल**	**अतिथि प्रवक्ता**
08.	**श्री पवन कुमार श्रीवास्तव**	**अतिथि प्रवक्ता**
09.	**श्री मानवेन्द्र यादव**	**अतिथि प्रवक्ता**

गणित विभाग

01.	डॉ. प्रकाश चन्द श्रीवास्तव	एसोसिएट प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	डॉ. नुरूल अजीज खान	असिस्टेंट प्रोफेसर
03.	डॉ.सुभाष कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर
04.	डॉ. शैलेन्द्र कुमार भारती	असिस्टेंट प्रोफेसर

सैन्य विज्ञान विभाग

01.	प्रो. सन्त कुमार यादव	(अवैतनिक अवकाश पर)
02.	**श्री आनन्द तिवारी**	**अतिथि प्रवक्ता**

रसायन विज्ञान विभाग

01	**श्री नवनीत कुमार तिवारी**	**असिस्टेंट प्रोफेसर** (प्रभारी)
02.	**श्रीमती रेनू मौर्या**	**अतिथि प्रवक्ता**
03.	**श्री राहुल प्रताप सिंह**	**अतिथि प्रवक्ता**

वनस्पति विज्ञान

01.	डॉ.रजनीश भारती	असिस्टेंट प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	डॉ. विवेक यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित)
03.	डॉ. रविन्द्र कुमार साहनी	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित)
04.	प्रो. सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव	प्रोफेसर **(अवकाश प्राप्त विशेष आमंत्रित आचार्य)**

शारीरिक शिक्षा विभाग

01.	श्री विपिन चन्द्र अस्थाना	असिस्टेंट प्रोफेसर
02.	**डॉ. युगान्त कुमार उपाध्याय**	**अतिथि प्रवक्ता**

भूगोल विभाग

01.	श्री शैलेन्द्र कुमार यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	श्री दुर्गेश सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर
03.	डॉ. धर्मेन्द्र प्रताप यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर
04.	श्री सन्दीप कुमार चौधरी	असिस्टेंट प्रोफेसर
05.	श्री अभिषेक यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर

अंग्रेजी विभाग

01.	प्रो. शुचिता श्रीवास्तव	(अवैतनिक अवकाश पर)
02.	डॉ. आलोक तिवारी	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित) **(प्रभारी)**
03.	**श्री श्रीकान्त उपाध्याय**	**अतिथि प्रवक्ता**

प्राणि विज्ञान विभाग

01.	डॉ. करूणेश सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	श्री यशवन्त प्रताप	असिस्टेंट प्रोफेसर
03.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित)
04.	**श्रीमती आरती सिंह**	**अतिथि प्रवक्ता**

मनोविज्ञान विभाग

01.	कु. सन्जू यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर **(प्रभारी)**
02.	श्री सुधांशु श्रीवास्तव	असिस्टेंट प्रोफेसर
03.	श्री रानू सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर

गृहविज्ञान विभाग

01.	शिखा सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित) **(प्रभारी)**
02.	डॉ. राजेश्वरी पाण्डेय	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित)
03.	श्रीमती सुमन यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित)
04.	श्रीमती अनीता यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर (स्ववित्तपोषित)

तृतीय श्रेणी कर्मचारी

1.	श्री शिशिर श्रीवास्तव	-	प्रभारी कार्यालय अधीक्षक

2.	श्री रजनीश श्रीवास्तव	-	कार्यालय सहायक
3.	श्रीमती शशिकला विश्वकर्मा	-	कार्यालय सहायक
4.	श्री आशीष कुमार	-	कार्यालय सहायक
5.	श्री आशुतोष श्रीवास्तव	-	कार्यालय सहायक
6.	श्री शोभित कुमार	-	कार्यालय सहायक
7.	श्री अरूणेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	-	प्रभारी लेखाकार
8.	श्री धीरज कुमार	-	पुस्तकालय प्रभारी
9.	श्री सुरेश चन्द्र मौर्या	-	पुस्तकालय सहायक
10.	श्री नीरज शर्मा	-	प्रयोगशाला सहायक, भौतिकी
11.	श्री लाल चन्द्र मौर्य	-	प्रयोगशाला सहायक, जन्तु विज्ञान
12.	श्री ओमकार यादव	-	प्रयोगशाला सहायक, भूगोल
13.	श्री अमित कुमार सिंह	-	लिपिक (स्ववित्तपोषित)
14.	श्रीमती कंचन प्रभा सिंह	-	गृहविज्ञान प्रयोगशाला सहायक (स्ववित्तपोषित)
15.	श्री सागर पाण्डेय	-	कार्यालय सहायक (अ0 का0)
16.	श्री सुमित बरनवाल	-	कार्यालय सहायक (अ0 का0)
17.	श्री रंजन प्रसाद पाठक	-	कम्प्यूटर लैब सहायक (अ0 का0)
18.	श्री संजीव कुमार पाठक	-	पुस्तकालय सहायक (अ0 का0)

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

1. श्री अब्दुल मन्नान
2. श्री हरिओम प्रसाद
3. श्री राम दुलारे
4. श्री फूल चन्द्र यादव
5. श्री श्याम लाल यादव
6. श्री गजराज प्रसाद
7. श्री शैलेष श्रीवास्तव
8. श्री पंचम राम
9. श्री रमेश चन्द्र मिश्रा
10. श्री प्रेम चन्द्र कन्नौजिया
11. श्री राम विजय गोंड
12. श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव
13. श्री नन्द लाल गोंड
14. श्री हरिप्रकाश सिंह
15. श्री कृपा नरायन श्रीवास्तव
16. श्री अतुल साहनी
17. श्री चन्द्रदेव यादव
18. श्री गोपी चन्द
19. श्री रणधीर मौर्य
20. श्री अजय गोंड
21. श्री हसमत अली
22. श्री सुनील कुमार सैनी (अ0 का0)
23. श्री राजेन्द्र कुमार यादव (अ0 का0)
24. श्री ज्वाला प्रसाद (अ0 का0)
25. श्री अनिल राजभर (अ0 का0)
26. श्रीमती अन्नु यादव (अ0 का0)
27. श्री अमरकान्त चौधरी (अ0 का0)
28. श्री गौतम कुमार (अ0 का0)
29. श्री विनोद कुमार यादव (अ0 का0)

छात्र-छात्राओं के लिए निर्देश

1. **महाविद्यालय प्रशासन** द्वारा समय-समय पर दिये गये लिखित अथवा मौखिक निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।
2. प्रवेश के उपरान्त प्रवेश रसीद तथा फार्म जमा रसीद दिखाकर कार्यालय से परीक्षा फार्म भर कर जमा कर दें तथा रसीद प्राप्त कर लें। परिचय-पत्र बनवा लेना आवश्यक है।
3. परिचय-पत्र विद्यार्थियों को सदैव पास रखना होगा। महाविद्यालय के किसी भी अधिकारी या प्राध्यापक द्वारा परिचय-पत्र मांगने पर उसे दिखाना आवश्यक है अन्यथा विद्यार्थी दण्ड के भागी होंगे।
4. परिचय-पत्र हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है।
5. परिचय-पत्र खो जाने या नष्ट हो जाने पर तुरन्त विद्यार्थी इसकी लिखित सूचना अनुशासनाधिकारी को देगा तथा पचास रुपया शुल्क जमा करके दूसरा परिचय-पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत करेगा।
6. विद्यार्थियों के लिए साइकिल स्टैण्ड की व्यवस्था है। साइकिल केवल स्टैण्ड में ही रखनी होगी। प्रांगण में अन्यत्र रखने पर दण्ड लग सकता है।
7. छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय परिसर एवं भवनों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा। पान या गुटखा खाकर थूकने पर दण्ड दिया जायेगा।
8. चरित्र प्रमाण-पत्र अनुशासनाधिकारी द्वारा प्रदान किया जायेगा। प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए दो दिन पूर्व आवेदन-पत्र मुख्य अनुशासनाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। एक बार चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान करने की तिथि से 6 मास तक पुनः कोई चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान (सामान्यतया) नहीं किया जायेगा।
9. किसी भी छात्र/छात्रा को दो बार चेतावनी के बाद उसके द्वारा किये गये अशोभनीय क्रिया-कलापों को चरित्र प्रमाण-पत्र में अंकित कर दिया जायेगा।
10. महाविद्यालय भवनों, परिसर तथा दीवारों पर किसी भी प्रकार बैनर, पोस्टर लगाना अथवा दीवारों पर लिखना मना है। ऐसा करने पर अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
11. आय प्रमाण-पत्र में पिता के व्यवसाय के उल्लेख के साथ उन्हीं का आय प्रमाण-पत्र छः माह के अन्दर

का ही मान्य होगा। प्रमाण-पत्र आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें।

12. किसी विषय में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित छात्र संख्या से अधिक आवेदन होने पर उस विषय के स्थान पर दूसरा विषय जिसमें स्थान रिक्त होगा, प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्त का आधार वरीयता क्रम होगा।
13. वोकेशनल कोर्स पूरा करना आवश्यक है।
14. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप महाविद्यालय का पाठ्यक्रम संचालित होता है।
15. अनिवार्य विषय सहपाठ्यक्रम सभी सेमेस्टर में पूरा करना अनिवार्य है।

नोटः-

(1) **कक्षा के दौरान मोबाईल फ्लाईट मोड/साइलेन्ट मोड अथवा स्वीच ऑफ करके ही बैठना अनिवार्य होगा।**

(2) परीक्षा के समय मोबाइल महाविद्यालय परिसर में लाना मना है।

(3) अभ्यर्थी एक से अधिक संकाय हेतु प्रवेश परीक्षा में बैठना चाहता है तो उसे अलग-अलग फार्म भरना होगा। जिस संकाय हेतु वह आवेदन करेगा उसी संकाय में उसका प्रवेश विचारणीय होगा। संकाय/विषय का चयन काउंसिलिंग के समय ही अन्तिम चयन होगा, तत्पश्चात परिवर्तन स्वीकार्य नहीं किया जायेगा।

(4) काउंसिलिंग के समय ही अभ्यर्थी को मुख्य विषय/माइनर/इलेक्टिव विषय का चयन सुनिश्चित किया जायेग।

आवेदन की प्रक्रिया

प्रथम चरण –	महाविद्यालय में संचालित किसी भी पाठ्यक्रम में इच्छुक छात्र/छात्राएं सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण करेंगे।
द्वितीय चरण–	छात्र/छात्राएं विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर जाकर 300/– रूपये का भुगतान कर पंजीकरण पत्र/रजिस्ट्रेशन संख्या (फोटो/हस्ताक्षर अपलोड करके) की हार्ड कॉपी प्राप्त करेंगे।
तृतीय चरण–	विश्वविद्यालय से प्राप्त पंजीकरण पत्र/रजिस्ट्रेशन संख्या का उपयोग कर छात्र/छात्राएं महाविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन प्रवेश फार्म भर सकेंगे और चालान प्राप्त करेंगे।
चतुर्थ चरण–	500/– रूपये का ऑनलाइन माध्यम से नेटबैंकिंग/क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/यू0पी0आई0 के द्वारा महाविद्यालय को जमा करेंगे।
पंचम चरण–	कन्फर्मेशन पेज (फोटो/हस्ताक्षर अपलोड करके) हार्ड कॉपी महाविद्यालय में जमा करेंगे।
षष्ठम् चरण–	अन्तिम तिथि के उपरान्त महाविद्यालय में प्रवेश हेतु मेरिट लिस्ट घोषित की जाएगी।
सप्तम् चरण–	कॉउंसलिंग की प्रक्रिया सम्पन्न होगी।
अष्ठम् चरण–	कॉउंसलिंग के उपरान्त महाविद्यालय से अनुमति दी जाएगी।
नवम् चरण–	अनुमति के पश्चात् निर्धारित शुल्क ऑनलाइन जमा किया जाएगा। निर्धारित शुल्क जमा करने के उपरान्त ही वह महाविद्यालय का पंजीकृत छात्र/छात्रा माना जाएगा।

शुल्क जमा (रसीद) की छाया प्रति से महाविद्यालय द्वारा परिचय पत्र निर्गत होगा। परिचय पत्र पूर्णतः भराकर अनुशासनाधिकारी से हस्ताक्षर कराने के उपरान्त अपने पास पहचान पत्र के रूप में सुरक्षित रखेगा।

नोट : प्रवेश के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि पर **पंजीकरण (Registration) कराने के उपरान्त समयान्तर्गत विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म भरना अनिवार्य है।** अन्यथा की स्थिति में विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित होना सम्भव नहीं होगा।

प्रवेश निर्देशिका

शैक्षणिक सत्र 2025–26 हेतु प्रवेश संबंधित सूचना

शैक्षणिक सत्र **2025–26** में महाविद्यालय में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से संचालित पाठ्यक्रम/कोर्स स्नातक स्तर पर बी0ए0, बी0बी0ए0, बी0एससी0 (गणित वर्ग), बी0एससी0 (जीवविज्ञान वर्ग), बी0कॉम0 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर एम0ए0/एम0एससी0/एम0कॉम0 प्रथम सेमेस्टर वर्ष में प्रवेश हेतु अर्ह अभ्यर्थियों से दिनांक **25 जून 2025** तक ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

अभ्यर्थी महाविद्यालय की वेबसाइट- **www.davpgcollegeazm.in** पर निम्नलिखित प्रक्रिया अन्तर्गत पंजीकरण कर सकेंगे।

सर्वप्रथम छात्र अपना पंजीकरण **(Registration Form)** आवेदन पत्र भरकर सबमिट **(Submit)** करेंगे।

तदोपरान्त **Payment Gateway** से पंजीकरण शुल्क (रू0 500/-) **Credit Card/Debit Card/Net Banking** के माध्यम से जमा करेंगे।

ऑनलाईन भुगतान सफल होने के उपरान्त चालान स्क्रीन पर से बटन **Print** व **Next** प्रदर्शित होंगे। चालान के प्रिन्ट होने के उपरान्त अभ्यर्थी **Next** बटन के माध्यम से अगले पेज पर पहुंचेंगे एवं अपना आवश्यक प्रमाण-पत्र अपलोड करेंगे।

समस्त अभिलेख **Upload** करने के उपरान्त अभ्यर्थी का आवेदन **Submit** हो जाएगा।

नोट :-

1. अभ्यर्थी स्वयं का व अभिभावक का मोबाइल नम्बर एवं अपना ई-मेल स्पष्ट रूप से अंकित करें। इसमें त्रुटि होने पर आगे की सूचनाएँ बाधित हो जाएगी। मोबाइल नम्बर व ई-मेल आईडी एक बार प्रयोग के बाद दुबारा प्रयोग नहीं की जा सकेगी।
2. समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश **मेरिट के आधार पर** अर्ह अधिभार **(Eligible Weightage)** के भारांकों के योग द्वारा सृजित मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश लिया जाएगा।
3. **स्नातकोत्तर स्तर के जिन पाठ्यक्रमों में अभ्यर्थियों की संख्या स्वीकृत सीटों के तीन गुना से अधिक होगी उन पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।**

महत्वपूर्ण तिथियाँ

क्र॰	विवरण	प्रारम्भ तिथि	अन्तिम तिथि
1	महाविद्यालय के स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करना	14.05.2025	25.06.2025
2	फार्म सुधार/शैक्षणिक योग्यता की पुनः प्रविष्टि (विश्वविद्यालय स्तर पर)	20.05.2025	30.06.2025
3	महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन मेरिट सूची जारी की तिथि	26.06.2025	05.07.2025
4	महाविद्यालय के स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रमों में कॉउंसलिंग (ऑफलाइन) की तिथि	01.07.2025	10.07.2025
5	महाविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में अध्ययन अध्यापन (कक्षारम्भ) की तिथि	14.07.2025	—

नोट : अपरिहार्य कारणों से उक्त तिथियों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है। जिसकी सूचना विश्वविद्यालय/महाविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर समय-समय पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

क्रमांक	पाठ्यक्रम कोर्स का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	सीटों की संख्या	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता
1	बी0एससी0 (मैथ ग्रुप) (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)	6 सेमेस्टर (तीन वर्षीय) अथवा 8 सेमेस्टर (4 वर्षीय आनर्स के साथ) अथवा 8 सेमेस्टर (4 वर्षीय आनर्स शोध परियोजना के साथ)	160	इण्टरमीडिएट (10+2) विज्ञान (मैथ ग्रुप)
2	बी0एससी0 (बॉयो ग्रुप) (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)		160	इण्टरमीडिएट (10+2) विज्ञान (बॉयो ग्रुप)
3	बी0ए0 (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)		940	इण्टरमीडिएट (10+2) कला या कृषि या विज्ञान या वाणिज्य
4	बी0कॉम0 (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)		360	इण्टरमीडिएट (10+2) विज्ञान (मैथ ग्रुप) वाणिज्य इण्टरमीडिएट (10+2) कला में गणित अथवा अर्थशास्त्र एक विषय के रूप में अथवा हाईस्कूल में गणित एक विषय के रूप में।
5	एम0एससी0 व एम0ए0 (सी0बी0एस0सी0 के अनुरूप) (च्वाइस बेस क्रेडिट सिस्टम)	4 सेमेस्टर (द्विवर्षीय) अथवा 2 सेमेस्टर (एकवर्षीय) यदि स्नातक आनर्स के साथ किया गया हो।		सम्बन्धित विषय से स्नातक अथवा वि0वि0 द्वारा निर्धारित अर्हता
6	एम0कॉम0 (नई शिक्षा नीति 2020 के स्ववित्तपोषित)		60	सम्बन्धित विषय से स्नातक अथवा वि0वि0 द्वारा निर्धारित अर्हता
7	बी0बी0ए0 (नई शिक्षा नीति 2020 के स्ववित्तपोषित)		60	इण्टरमीडिएट (10+2) कला विज्ञान एवं वाणिज्य

नोट :- सीटों की संख्या यथा आवश्यक निर्देशों के अनुसार परिवर्तनीय है जिसका निर्णय विश्वविद्यालय के स्तरपर किया जाता है।

स्नातक में विषय चयन हेतु नियम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्राविधानों के अनुसार स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु पंजीकरण किये जाने हेतु निर्देश -

- **स्नातक पाठ्यक्रम तीन वर्षीय अथवा चार वर्षीय (आनर्स/शोध परियोजना के साथ आनर्स) होगा।**
- अभ्यर्थी एक से अधिक संकाय में प्रवेश परीक्षा में बैठना चाहता है तो उसे अलग-अलग आवेदन करना होगा। जिस संकाय हेतु आवेदन किया जाये उसी संकाय में प्रवेश विचारणीय होगा। विषय का चयन काउन्सिलिंग के समय चयनित विषय ही अन्तिम होगा। तत्पश्चात परिवर्तन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
- अभ्यर्थी द्वारा सर्वप्रथम अपनी योग्यतानुसार संकाय का चयन किया जायेगा।
- संकाय चयनोपरान्त अपने संकाय से किन्ही दो मुख्य (**Major**) विषय का चयन किया जायेगा।
- **स्नातक प्रथम/द्वितीय वर्ष (प्रथम/द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ सेमेस्टर) में एक माइनर** (Minor) **विषय का चयन करना है।**
- अनिवार्य सह शिक्षा कोर्स का चयन किया जायेगा। जो तीन वर्ष (छः सेमेस्टर) में चयन करना अनिवार्य है।
- तत्पश्चात व्यवसायिक पाठ्यक्रम का चयन किया जायेगा।
- स्नातक तृतीय वर्ष (पंचम् एवं षष्ठम् सेमेस्टर) **और चतुर्थ वर्ष (सप्तम् व अष्टम् सेमेस्टर)** में **Minor** विषय का चयन नहीं करना है।
- व्यवसायिक पाठ्यक्रम तृतीय वर्ष (पंचम् एवं षष्ठम् सेमेस्टर) में **Minor** विषय का चयन नहीं करना है।

पाठ्यक्रम/कोर्स व अर्हता-विवरण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्राविधानों के अनुसार स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु पंजीकरण किये जाने हेतु निर्देश

स्नातकोत्तर प्रथम (सेमेस्टर) वर्ष में प्रवेश हेतु विषय का चयन

1. मुख्य विषय
2. मुख्य शोध परियोजनाएं

01. राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित C.B.S.C. (च्वाइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम) प्रणाली के अन्तर्गत स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी अपने स्नातक पाठ्यक्रम/कोर्स के अन्तिम वर्ष में चयनित मुख्य विषयों में से एक विषय का चयन करेगा जो उसका स्नातकोत्तर का मुख्य विषय कहलाएगा।

02. यदि विद्यार्थी ने स्नातक 3 वर्षीय पाठ्यक्रम पढ़ा है तो उसके लिए स्नातकोत्तर 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) का होगा और यदि विद्यार्थी ने स्नातक पाठ्यक्रम 4 वर्ष (आनर्स/शोध परियोजना के साथ आनर्स) के साथ पढा है तो उसके लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 1 वर्ष (2 सेमेस्टर) का होगा।

03. मुख्य विषय के प्रश्नपत्रों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर को अनिवार्य व वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के साथ चयन करना/पढ़ना अनिवार्य होगा।

04. मुख्य शोध परियोजना के अन्तर्गत विद्यार्थी को एक मुख्य शोध परियोजना का चयन (प्रथम एकेडमिक वर्ष (प्रत्येक सेमेस्टर में अलग-अलग दो परियोजनाएं अथवा दोनों सेमेस्टर के लिए एक परियोजना) में परियोजना का चयन करना अनिवार्य है। द्वितीय वर्ष (तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर एकेडमिक वर्ष में) में एक अथवा दो अन्य शोध परियोजना करना अनिवार्य है।

नोट :- उक्त के बावजूद स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम/कोर्स के मुख्य विषय के चयन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अर्हताएं ही प्रभावी होंगी।

Add-on Courses

(अतिरिक्त पाठ्यक्रम)

हमारे यहाँ नियमित कोर्सेज के साथ–साथ विभिन्न विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित किए जाते है जो छात्र/छात्राओं के लिए पूर्णतः निःशुल्क है। यह एक ऐसा कोर्स है जो छात्र/छात्राओं के कौशल को मजबूत करने के साथ उनके कैरियर को आगे बढ़ाता है।

क्र0 सं0	विभाग	संचालित अतिरिक्त पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम की अवधि	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता
1	हिन्दी	हिन्दी भाषा एवं व्याकरण	30 घण्टे	इण्टरमीडिएट (10+2) कला/ वाणिज्य/ मैथ/ बायो के साथ
2	अंग्रेजी	स्पोकेन इंग्लिश		
3	संस्कृत	संस्कृत भाषा एवं व्याकरण		
4	राजनीति विज्ञान	संविधान और आप		
5	इतिहास	कल्चरल हेरिटेज संरक्षण		
6	समाज शास्त्र	सोशल कॉउंसलिंग		
7	भूगोल	भ्रमण एवं पर्यटन		
8	अर्थशास्त्र	जनसांख्यिकी और आर्थिक विकास		
9	मनोविज्ञान	व्यक्तित्व विकास		
10	गृह विज्ञान	फैशन डिजाइनिंग		
11	गणित	स्टैटिस्टिक्स एवं डाटा एनालिसिस		
12	प्राणि विज्ञान	मधुमक्खी पालन		
13	वनस्पति विज्ञान	मशरूम कल्चर		
14	रसायन विज्ञान	सेमिकण्डक्टर रसायन एवं रेअर अर्थ एलिमेंट		
15	भौतिक विज्ञान	एक्सप्लोरिंग द् यूनिवर्स		
16	वाणिज्य	डिजिटल मार्केटिंग		
17	कम्प्यूटर (वोकेशनल)	Basic of Computer Application, Basic of Microsoft Office Computer Communication and Internet , Information Technology		
18	योग (वोकेशनल)	योग, योग इंस्ट्रक्टर, योग एवं स्वास्थ्य, योग एवं जिम		

आरक्षण (Reservation)

पाठ्यक्रम की कुल सीटों पर निम्नवत आरक्षण प्रदान किया जाएगा-

क्रमांक	लम्बवत आरक्षण (मुख्य श्रेणी)		क्षैतिज आरक्षण उप श्रेणी	
	श्रेणी	प्रतिशत	श्रेणी	प्रतिशत
1	अनुसूचित जाति	21	दिव्यांग (चक्रानुसार)	3
2	अनुसूचित जनजाति	02	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित	2
3	अन्य पिछड़ा वर्ग	27		
4	आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग (EWS)	10		

उत्तर प्रदेश शासन के कार्मिक अनुभाग-2 सं0-5/2019/4/1/2002 का-2/2019 टी.सी. दिनांक 13 अगस्त 2019

नोट : आरक्षण उत्तर प्रदेश के प्रभावी नियमों के अनुसार दिया जाएगा।

अर्ह-अधिभार (Eligible-Weightage)

क्रमांक	अधिभार की श्रेणी	अधिभार अंक
1	महाविद्यालय के मातृ संस्था से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र/छात्राएं	05
2	NCC a. ए-प्रमाण पत्र b. बी-प्रमाण पत्र c. सी-प्रमाण पत्र	 02 03 05
3	**रोवर्स/रेंजर्स** a. राज्य स्तरीय समागम राज्यपाल/राष्ट्रपति पुरस्कृत b. विश्वविद्यालय के अन्तर-महाविद्यालयी समागम c. प्रवीण निपुण जनदीप समागम	 05 03 02
4	**एन.एस.एस. (NSS)** a. 240 घंटे कार्य का प्रमाणपत्र b. 240 घंटे कार्य एवं एक शिविर c. 240 घंटे कार्य एवं दो शिविर	 01 02 03
5	**खेलकूद** a. राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय/अंतर्विश्वविद्यालयीय b विश्वविद्यालय के अन्तर महाविद्यालयीय/मंडलीय खेलकूद c. डी.ए.वी.पी.जी. कालेज आजमगढ़	 05 02 05

प्रवेश प्रक्रिया

स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट के आधार पर आरक्षण के नियमानुसार लिया जाएगा। स्नातकोत्तर स्तर के जिन पाठ्यक्रमों में अभ्यर्थियों की संख्या स्वीकृत सीटों के तीन गुना से अधिक होगी उन पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। लिखित प्रवेश परीक्षा होने की दशा में प्रस्तावित तिथि महाविद्यालय के वेबसाईट पर घोषित की जाएगी एवं तद्नुसार अभ्यर्थी प्रवेश–पत्र उक्त वेबसाईट से परीक्षा पूर्व डाउनलोड कर सकेंगें। मेरिट लिस्ट घोषित होने के उपरान्त यदि विश्वविद्यालय द्वारा तिथि विस्तारित की जाती है तो महाविद्यालय में रिक्त सीटें उपलब्ध होने की दशा में प्रवेश लिया जाएगा।

अन्य सामान्य नियम व अनुदेश

1. चूँकि प्रवेश हेतु आवेदन की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है। अतः ऑनलाइन माध्यम से अंतिम तिथि तक या अंतिम तिथि के भीतर प्राप्त ऑनलाइन पत्रों को ही प्रवेश की अग्रेत्तर प्रक्रिया हेतु स्वीकार किया जायेगा।
2. प्रवेश प्रक्रिया से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं महाविद्यालय के ऑफिशियल वेबसाइट www.davpgcollegeazm.in का निरन्तर अवलोकन करते रहें।
3. शैक्षणिक अंतराल वाले अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के प्रवेश नियमावली के अनुसार निर्णय होगा।
4. छात्र/छात्राएं बी0ए0/बी0एससी0/बी0कॉम0 तथा एम0ए0/एम0एससी0 कक्षाओं में प्रवेश लेने के उपरान्त नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप सेमेस्टर परीक्षा हेतु विषय का चुनाव करेंगे।
5. आरक्षण के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश शासन के नियम प्रभावी होंगे।
6. ऑनलाइन आवेदन जमा करने के बाद आवेदित श्रेणी (Category) में कोई परिवर्तन अनुमन्य नहीं है।

7. प्रवेश के समय आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप पर उत्तर प्रदेश शासन के नवीनतम शासनादेश के अनुरूप अद्यतन जाति प्रमाण-पत्र/क्रीमी लेयर में न आने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। यदि ऐसे अभ्यर्थी वांछित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करते हैं तो उन्हें अनारक्षित श्रेणी का अभ्यर्थी माना जाएगा।
8. अभ्यर्थियों को संगत पाठ्यक्रम कोर्स के लिए निर्धारित न्यूनतम अर्हता धारित करना अनिवार्य है और इस आशय का मूल प्रमाण पत्र प्रवेश के समय प्रस्तुत करना होगा। शैक्षिक प्रमाण पत्र, टी.सी./प्रवजन व चरित्र प्रमाण पत्र के अभाव में प्रवेश सम्भव नहीं होगा।
9. अनूसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के अभाव में इनकी सीटें अनुसूचित जाति में स्थानान्तरण होंगी। यदि इसके उपरांत भी सीटें रिक्त रह जाती है तो ऐसी दशा में इन सीटों को सामान्य योग्यता सूची के आधार पर ही भरा जाएगा।
10. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग EWS/दिव्यांग/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थियों को यथा विहित प्रारूप पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा अद्यतन निर्गत मूल जाति/आनुषंगिक प्रमाण पत्र प्रवेश के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
11. कूट रचना करके अथवा तथ्य छुपाकर आवेदन करना पाये जाने पर सम्बन्धित का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।
12. प्रवेश/काउंसलिंग हेतु निर्धारित तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने अथवा निर्धारित अवधि में प्रवेश शुल्क जमा करने में असफल रहने पर मेरिट सूची से अगला प्रवेश दे दिया जाएगा एवं ऐसी दशा में बाद में कोई दावा स्वीकार नहीं होगा।
13. महाविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम कोर्स में प्रवेश का अंतिम सर्वाधिकार प्राचार्य के पास सुरक्षित है।
14. किसी भी कक्षा में निर्धारित सीट से कम आवेदन प्राप्त होने की दशा में प्रवेश योग्यता प्रदायी परीक्षा के प्राप्त अंकों के आधार पर होगा।
15. किसी भी दशा में प्रवेश आवेदन शुल्क वापस नहीं होगा।

List of Sanction Seat

वित्त पोषित योजना अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रम

CLASS	SEAT
B.A. 1st Year	940
B.Sc. 1st Year (Math)	160
B.Sc. 1st Year (Bio)	160
B.Com Ist	360
B.B.A.	60
M.A.	
Hindi	60
Pol. Sc.	60
History	60
Sociology	60
Geography	30
M.A./M.Sc.	
Math	60

List of Sanction Seat

स्ववित्त पोषित योजना अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रम

M.A.	
English	60
Sanskrit	60
Economics	60
Psychology	30
Home Science	30
M.Sc.	
Zoology	20
Botany	20
Chemistry	20
Physics	20
M.Com	60

AZAMGARH

दयानन्द एंग्लो वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज)

आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

(सम्बद्ध : महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़)

www.davpgcollegeazm.in

Email - helpdesk@davpgcollegeazm.in